









# कन्या भ्रूण हत्या करने वालों को बख्शा न जाए, दोषी को सजा मिले: उत्तम सिंह

## दिशा-निर्देश

► सलाहकार समिति की ली बैठक, लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाने के दिए निर्देश

## टीम एवशन इंडिया

राजकुमार प्रिंस करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक जबर्दस्त अपराध है। इस अपराध में सलिल लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए, दोषी को सजा अवश्य मिले। इसके लिए अधिकारियों को कहा कि पैकी बेटहरीन तरीके से कोई जाए।

उपायुक्त मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण अधिनियम (पीएनटीटी एक्ट) के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में बोल रखे थे। उपायुक्त ने कहा कि लिंग परीक्षण करवाना और करना दोनों कानूनी तौर पर सहाय अपराध है, और सलिल लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए, दोषी को सजा अवश्य मिले। इसके लिए अधिकारियों को कहा कि पैकी बेटहरीन तरीके से कोई जाए।







# प्राथमिक शिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर में बुनियादी साक्षरता और शिक्षण विधियों से परिचित कराया

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजपुर और मिडिल स्कूल गढ़ी केसरी में शिक्षकों का प्रशिक्षण शिविर खण्ड शिक्षा अधिकारी आजाद सिंह दहिया के दिशानिर्देश में दुआ। अलग अलग बैच में 203 अध्यात्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। शिक्षियों में एक एल एन के तहत हिन्दी, गणित के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा के महत्व पर जोर दिया। वी आर सी सुनन्दन कुमार ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार को दिशा में एक



महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शिक्षकों को एक एल एन (फारडेशनशल लिटरेसी एंड न्यूर्मेसी) तथा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के महत्व को समझना और प्रभावी शिक्षण विधियों से परिचित कराना है कि प्रशिक्षण के छात्रों में रचनात्मक सोब, पढ़ने-लिखन की क्षमता और गुणात्मक दक्षता विकसित करना, अंग्रेजी विषय को आधार के तौर पर पढ़ाना, विषय को संचक्कर व इसके महत्व को समझना शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि प्रशिक्षण विधियों में सुख्ख्य प्रशिक्षण के रूप में अंजू दहिया, कुसुम, पूजा, ज्योति, ज्यात्सना, मनाज, मौन, सुयोगा ने अपना अहम भूमिका अदा की। क्रप्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था का संचालन सुरजीत खोखर, जगबीर देशवाल, पवन कुमार स्कूल इंचार्ज सीमा द्वारा किया गया।

विभिन्न गतिविधियों द्वारा, शिक्षण तकनीकियों और मूल्यांकन पद्धतियों पर गहन चर्चा कार्ड गिरक निपुण मिशन के अन्तर्गत निपुण लक्ष्य वर्त पाठ्य पुस्तक व वर्क बुक की समावेशता, अध्यापक संदर्शकों, नई शिक्षण सामग्री, सापाहिक आंकलन, सावधिक आंकलन, स्किल पासबुक, वार्षिक आंकलन आदि विभिन्न विद्युओं पर विपूल चर्चा करना है कि एक एल एन कोंटेनर एवं सुधारत कराया गया कि हिन्दी भाषा के सभी चार चर्चाओं (मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन, लेखन) गणित, अंग्रेजी विषय की

शिक्षकों को छात्रों में रचनात्मक सोब, पढ़ने-लिखन की क्षमता और गुणात्मक दक्षता विकसित करना, अंग्रेजी विषय को आधार के तौर पर पढ़ाना, विषय को संचक्कर व इसके महत्व को समझना शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि प्रशिक्षण विधियों में सुख्ख्य प्रशिक्षण के रूप में अंजू दहिया, कुसुम, पूजा, ज्योति, ज्यात्सना, मनाज, मौन, सुयोगा ने अपना अहम भूमिका अदा की। क्रप्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था का संचालन सुरजीत खोखर, जगबीर देशवाल, पवन कुमार स्कूल इंचार्ज सीमा द्वारा किया गया।

## युवा कांग्रेस पदाधिकारियों की घोषणा

टीम एक्शन इंडिया

राजकुमार पिंस

करनाल। प्रदेश कांग्रेस ने जिले में युवा कांग्रेस के संगठन को मजबूती देने के लिए नई नियुक्तियां की हैं। इसमें फूसगढ़ गांव के रजत लाटर का करनाल ग्रामीण युवा कांग्रेस का जिला अध्यक्ष बनाया गया है, जिला कांग्रेस ने शहरी निवासी सुधित मंदांग को शहरी जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों नियुक्तियों को बाद कांग्रेस समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

खासकर ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनने पर रजत लाटर के गंव फूसगढ़ में अंजू दहिया, कुसुम, पूजा, ज्योति, ज्यात्सना, मनाज, मौन, सुयोगा ने अपना अहम भूमिका अदा की। क्रप्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था का संचालन सुरजीत खोखर, जगबीर देशवाल, पवन कुमार स्कूल इंचार्ज सीमा द्वारा किया गया।

हरियाणा युवा कांग्रेस की नई

करने की बात कही। रजत लाटर के ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनने की घोषणा के साथ ही फूसगढ़ गांव में जश्न का माहोल बन गया। कांग्रेसकार्ताओं और समर्थकों ने ढोल की थाप पर नाचे हुए उनका स्वागत किया। जगबीर-जाहिर आतिशबाजी की गई और लोगों को मिटाईंग खिलाकर खुशी जाहिर की गई। गांव के युवाओं ने इसे अपनी बताया और कहा कि रजत लाटर जैसे नेता को जिम्मेदारी मिलना गर्व की बात है। रजत लाटर ने बताया कि यह नियुक्ति पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से की गई है। 18 से 35 वर्ष तक के युवाओं ने आंतर्नाल बोर्डिंग प्रक्रिया में हिस्सा लिया था और उन्हें युवाओं का बहुत समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि वह जीत के बहुत उनका नहीं, बल्कि पूरे युवा वर्ग की है और अब संगठन को मजबूत

## न्यूज प्लैट

### कट्टरे के रास्ते के कारण बास्ती के लोग हुए परेशान

#### समस्या

► बीबीपुर बास्ती के रहने वाले लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है



टीम एक्शन इंडिया  
(बीबीपुर कांशपाल कश्यप ) : बीबीपुर बास्ती में बीबीपुर बास्ती के रहने वाले लोगों को कच्चे रास्ते के कारण भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां रहने वाले करीब 10 घरों के लोगों को अवरुद्ध बरसात के दिनों में इस भारी समस्या से जुँगा पड़ता है यहां पर बर्ती से अपने-जाने के लिए एक मात्र कच्चा रास्ता है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी



जिस पर बारिश के दिनों में बारिश के दिनों में कीचड़ ऐसे में इस रास्ते को पार करना भी उन लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। स्कूल के बच्चे स्कूल जाते वर्क करीब 10 घरों के लोगों को अवरुद्ध बरसात के दिनों में इस भारी समस्या से जुँगा पड़ता है यहां पर बर्ती से अपने-जाने के लिए एक मात्र कच्चा रास्ता है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कराया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

रौनक पब्लिक स्कूल गञ्जौर के छात्र यश ने नोकायन विश्व कप में भागीदारी की

टीम एक्शन इंडिया  
(रौनक पब्लिक स्कूल)



गणना के दिनों में बीबीपुर बास्ती के रहने वाले लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां रहने वाले करीब 10 घरों के लोगों को अवरुद्ध बरसात के दिनों में इस भारी समस्या से जुँगा पड़ता है यहां पर बर्ती से अपने-जाने के लिए एक मात्र कच्चा रास्ता है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

करना पड़ता है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज कर दिया है। दुकानान्दर पर गन्नौर से आंसार थाना पुलिस की दी

पुलिस में शिक्षायत दर्ज





## श्रीमती सेवती बंसल की पुण्यतिथि आज

# बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी श्रीमती सेवती बंसल

■ हमेशा ही गरीब व निर्धन तबके की सहायता के लिए आगे रहती थी श्रीमती सेवती बंसल समाजसेवी, व्यवसायी और स्वतंत्रता सेनानी लाला जगन्नाथ बंसल जी के पुत्र श्री हेमराज बंसल जी से हुआ। ■ श्रीमती सेवती बंसल जी नित्य घर में और मंदिर में जाकर पूजा अर्चना करना, ब्राह्मणों, साधु संतों और भिक्षुओं का आदर सत्कार करना, दीन-दुर्खियों और जरुरतमंदों की मदद करना, समय-समय पर मंदिर निर्माण और मंदिरों में मूर्ति स्थापना करवाने के लिए आर्थिक सहयोग करना ही अपना धर्म-कर्म और कर्तव्य मानती थी।

## संक्षिप्त जीवन परिचय

काल की गति कोई रोक नहीं सकता, जो आया है उसको एक न एक दिन जाना है। हर प्राणी इस गति के अनुसूयत है, किन्तु जिनका जीवन धममय परोपकारमय होता है, उन्हीं का जीवन संसार में सार्थक होता है। श्रीमती सेवती बंसल जी का जन्म 29 जनवरी 1945 को रोहतक, हरियाणा के प्रसिद्ध व्यवसायी लाला महाबीर प्रसाद जी के श्रद्धालु और धार्मिक परिवार के प्रांगण में हुआ।

बचपन से ही धर्म के अच्छे संस्कार मिले।

अपनी माता श्रीमति नारायणी देवी जी से सभी गुह कार्य में पारंगत होने और शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात श्रीमती सेवती बंसल जी का विवाह 8 जून 1963 को नरेला, दिल्ली के प्रसिद्ध समाजसेवी, व्यवसायी और स्वतंत्रता सेनानी लाला जगन्नाथ बंसल जी के पुत्र श्री हेमराज बंसल जी से हुआ। सात पुत्रियों और श्री हेमराज बंसल जी के रूप में अकेले पुत्र के विस्तृत, वृहद परिवार में श्रीमती सेवती बंसल जी ने अपनी सासु मां श्रीमती नारायणी देवी के मार्गदर्शन में विवाह उपरान्त सम्मुखीन में आते ही समस्त घेरेलु कार्यों में अपनी सासु मां का हाथ बटाना शुरू कर दिया और आहिस्ता-आहिस्ता समस्त परिवारिक जिम्मेदारियां अपने ऊपर ले ली।

श्रीमती सेवती बंसल जी को तीन पुत्रों राजेश बंसल, राकेश बंसल, मनोज बंसल और एक पुत्री नीता के रूप में चार संतानों की प्राप्ति हुई। हर मां का दायित्व होता है कि अपने बच्चों को संस्कारी बनाना। वर्ष 1978 में सासु मां श्रीमती नारायणी देवी के निधन के बाद समस्त परिवार की जिम्मेदारी श्रीमती सेवती बंसल जी के कंधों पर आ गई। अपने पति श्री हेमराज बंसल जी, जोकि भारत सरकार में कार्यरत थे, उनके नित्य ऑफिस जाने के बाद दिन भर अपने सम्मुखीन लाला जगन्नाथ बंसल जी की सेवा करना, बच्चों का लालन-पालन, देख-रेख करना, बच्चों की शिक्षा को ही श्रीमती सेवती बंसल ने अपना धर्मकर्म मान लिया। अपनी सात नन्दियों के चालीस संतानों के भात श्रीमती सेवती बंसल जी ने अपने पति श्री हेमराज बंसल जी के साथ मिलकर पूरे परिवारिक और सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ भरे।

श्रीमती सेवती बंसल ने न केवल अपने पुत्रों, पुत्री को अपितु बहुओं, पौत्रों, प्रतिवंशीयों, पोत्रवधु और पड़पोत्र को भी संस्कारों के सांचे में ढालकर पूरे परिवार को एक सूखत के धारे में पिरोकर रखा।

परिवारिक दायित्व जागरूकता के साथ निभाये। सभी से मिलजुल कर रहना, सभी को साथ लेकर चलना श्रीमती बंसल की अपनी विरल विशेषता थी। इतने वृहद परिवार का ख्याल रखना और कुशलतापूर्वक संचालन करना प्रथम कर्तव्य था। समयमय जीवन को ही वे अपने जीवन का सिद्धांत मानती थीं और परिवार में सभी को इसी राह पर चलने की प्रेरणा देती थीं। यह श्रीमती सेवती बंसल जी के लालन-पालन और उनके द्वारा दिये गए संस्कारों का नीतीजा है, उनकी सभी संतानों ने उच्च शिक्षा ग्रहण की और वैवाहिक बंधनों में बंधने के पश्चात आज व्यापार, परिवार, धार्मिक गतिविधियों और समाज में अपने परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं।

सरल, मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति की थी श्रीमती

सेवती बंसल: सरल, सहज, मिलनसार, धार्मिक और सेवा भाव से परिपूर्ण श्रीमती सेवती बंसल जी पहली मुलाकात में ही दिल जीतने की कला में माहिर थी। नित्य घर में और मंदिर में जाकर पूजा अर्चना करना, ब्राह्मणों, साधु संतों और भिक्षुओं का आदर सत्कार करना, दीन-दुर्खियों और जरुरतमंदों की मदद करना, समय-समय पर भिक्षुओं का आदर सत्कार करना, दीन-दुर्खियों और जरुरतमंदों की मदद करना, समय-समय पर मंदिर निर्माण और मंदिरों में मूर्ति स्थापना करवाने के लिए आर्थिक सहयोग करना ही अपना धर्म-कर्म और कर्तव्य मानती थी।

आज समस्त बंसल परिवार सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ-साथ अपना व्यापार अत्यन्त सफलतापूर्वक कर रहे हैं। आज बंसल ग्रुप के तहत निम्न प्रतिष्ठान चल रहे हैं।

1. बंसल गारमेन्ट्स 147, मेन बाजार, नरेला
2. बंसल टैक्सीटाइल्स 166-1 मेन बाजार, नरेला
3. बंसल किचन केयर 3 ए, अलीपुर रोड, नरेला
4. बंसल क्रियेशन्स , 145 मेन बाजार, नरेला

श्रीमती सेवती बंसल के सम्मुखीन लाला जगन्नाथ बंसल जी वर्ष 1926 में बीए(स्नातकोर) तक शिक्षा ग्रहण करने वाले नरेला क्षेत्र के पहले व्यक्ति थे। शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात लाला जी ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के पश्चात लाला जी का नाम आज भी नरेला क्षेत्र में प्रमुख व्यक्तियों में शुमार किया जाता है। उनके समान में दिल्ली नगर निगम ने वर्ष 2019 में नरेला में एक मार्ग का नाम 'लाला जगन्नाथ बंसल मार्ग' के नाम से नामांकित किया गया।

श्रीमती सेवती बंसल जी के पति श्री हेमराज बंसल जी ने भारत सरकार से सेवा-निवृत्त होने के पश्चात खुद को समाज सेवा में पूर्ण रूप से समर्पित कर रखा है। ग्रामीण दिल्ली के नरेला क्षेत्र के चहुंचुखी विकास, समाज में सामाजिक और धार्मिक सौहार्द बनाने और नरेला क्षेत्र के लोगों के लिए एक बेहतर कल की नींव रखने के लिए श्री हेमराज बंसल जी ने अपना तन-मन-धन न्योछावर कर रखा है।

77 वर्ष की आयु में पूरे 59 वर्ष अपने पति श्री हेमराज बंसल जी व समस्त बंसल परिवार को अपने प्यार, श्रद्धा, सेवा और मातृत्व से सीधने के बाद दिनांक 18 जून 2022 को श्रीमती सेवती बंसल जी ने अंतिम श्वास ली। अंतिम समय में उनके मुख पर सुख और शारीरिक का भाव यह जताता है कि उनके द्वारा सिंचित बंसल परिवार के भवित्व को लेकर वो एक दम से निश्चित थी। वह उनका समर्पण, सेवा और आर्थीवाद ही है कि जब श्रीमती सेवती बंसल जी ने अंतिम श्वास ली तब बंसल परिवार पूर्णरूप से खुशहाल और समृद्धि से परिपूर्ण है। आज वो हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके विचार, भाव, प्यार, दुःख, मातृत्व और आदर्श हमेशा बंसल परिवार और हम सभी के साथ रहेंगे।

श्रीमती सेवती बंसल जी बहुत ही धर्मपरायण देवी थी। उहोंने अपना समस्त जीवन धर्म और समाजसेवा में लगाने के साथ ही अपने परिवारिक जिम्मेदारियों को बख्खी निभाया। परिवार के आदर्श संस्कारों की नींव रखी और अपने परिवार के आदर्शों और संस्कारों को निरंतर निभाया। मां आप बहुत याद आओंगे और हमारी यादों में नित निरंतर हमारे साथ रहेंगे।

